

जनमुख

हिन्दी दैनिक लाइव

● तापमान अधिकतम : 31.80C

● तापमान न्यूनतम : 24.00C

● सूर्योदय : 05.19

● सूर्यास्त : 06.30

वाराणसी, 18 जुलाई, शनिवार, 2026 (2)

● सूर्योदय : 05.19

● सूर्यास्त : 06.30



सोनम बांगचुक के समर्थन में कैंडल मार्च निकालते साझा संस्कृति मंच के सदस्य।

जनमुख डेस्क

बनारस आपके साथ है

धर्मनरु प्रधान इस्तीफा दो

गंगा में बढ़ाव से तटवर्ती इलाकों में टेंशन

● सुरक्षित ठिकानों की तलाश में जुटे लोग, प्रशासन ने कहा घबराने की कोई जरूरत नहीं

वाराणसी। पिछले कुछ दिनों से गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इसका मुख्य कारण गंगा के ऊपरी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और बैराजों से छोड़ा जा रहा अतिरिक्त पानी है। जलस्तर बढ़ने का असर सबसे पहले घाटों की निचली सीा-द्वियों पर दिखाई देता है, जहां स्नान, नौका संचालन और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। वाराणसी में आज सुबह का तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हवा की रफ्तार 6 किलोमीटर प्रति घंटे हैं। वही नमी 70 प्रतिशत बनी हुई है। बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक के

अनुसार अगले 24 घंटे में मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। इधर गंगा के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे दशाश्वमेध घाट की कुछ सीढ़ियां डूब गई हैं। जलस्तर में

आई इस तेजी से तटीय इलाकों के दुकानदारों और नाविकों की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग के मिडल गंगा डिवीजन के ऑफिसों के अनुसार, शुक्रवार की सुबह 6 बजे वाराणसी स्टेशन पर गंगा का

जलस्तर 60.53 मीटर रिकार्ड किया गया है। पानी बढ़ने के कारण ललित घाट पर होने वाली गंगा आरती का स्थान बदल दिया गया है। लगातार बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट

जारी किया है। हालांकि, गंगा का जलस्तर अभी भी पिछले वर्ष की तुलना में कम है। पिछले वर्ष 16 जुलाई को यह 68.43 मीटर दर्ज किया गया था। नदी का चेतावनी स्तर 70.262 मीटर और खतरे का बिंदु 71.262 मीटर निर्धारित है। इस लिहाज से वर्तमान जलस्तर खतरे के निशान से करीब 11.90 मीटर नीचे बना हुआ है। प्रशासन का कहना है कि जलस्तर अभी पूरी तरह नियंत्रण में है और तटीय निवासियों के लिए फिलहाल कोई खतरे की स्थिति नहीं है। लेकिन पानी में बढ़ाव को लेकर तटवर्ती इलाकों में दहशत हावी होने लगी है। लोग सुरक्षित ठिकानों की जुगत में जुट गए हैं। यदि जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो अगले तीन-चार दिनों में गंगा तटवर्ती इलाकों तक पहुंच सकती हैं। ऐसे में गंगा के किनारे रहने वालों को बड़ी मुसीबत उठानी पड़ती है जिसके लिए वह अभी से तैयारी में जुट गए हैं।

नगर को जलभराव से बचाने के लिए छाता लेकर निकले नगर आयुक्त

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। जलभराव की संभावित समस्या को रोकने और आमजन को राहत देने के उद्देश्य से नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल छाता लेकर स्वयं सड़क पर उतर आए। शुक्रवार को तेज बारिश के दौरान नगर आयुक्त ने हाथ में छाता थामकर अंध्रापुल क्षेत्र सहित आसपास के कई संवेदनशील जलभराव वाले स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नालियों और गली पिट की कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लिया, ताकि कचरे या किसी अन्य अवरोध के कारण पानी का निकास प्रभावित न हो। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों से नगर आयुक्त ने मानसून के दौरान सभी संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।

रिटायरमेंट से 13 दिन पहले घूम लेते गिरफ्तार हुआ कैट थाने का क्लर्क

वाराणसी। कैट थाने में तैनात उर्दू अनुवादक क्लर्क अब्दुल रहमान अंसारी को एंटी कorrupशन संगठन की टीम ने शुक्रवार को 20 हजार रुपये की रिश्त लेते रंगहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उसने गुंडा एक्टर रजिस्टर से नाम हटाने के एवज में शिकायतकर्ता से रिश्त मांगी थी। सेवानिवृत्ति से महज 13 दिन पहले हुई इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आरोपी को खिलाफ लालपुर-पांडेयपुर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पूछताछ में सामने आया कि उसने करीब 20 वर्ष पहले सेना से स्वीच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) ली थी, जिसके बाद पुलिस विभाग में शामिल हुआ।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यात्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यात्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से एकल ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा सूचना सं. एवं निविदा कार्य का विवरण: टेंडर नं.: "14-जीकेपी-एमडब्ल्यूएस-2026-27" "एसएस-11 शेड्यूल मेंटेंनेंस ऑफ ऑटोमेटिक प्लग जोर सिस्टम ऑफ वन्दे भारत रेल (आईसी-2023 एंड आईसी-2024) एट मेकैनिकल वर्कशॉप-गोरखपुर"। अनुमानित लागत (₹ में): ₹87,26,581.44; धरोहर राशि (₹ में): ₹1,74,500/-; निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 08.08.2026 को 11:00 बजे; निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य। संविदा की अवधि: 12 माह। उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में माग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या <http://www.reps.gov.in> पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनी/कार्य मुचाधि/यात्रिक-55 गोरखपुर

ट्रनों में बीडी/सिग्नलर न निये

आकाशवाणी से सहायक निदेशक का स्थानांतरण, प्रफुल्ल कुमार सिन्हा ने संभाला कार्यभार

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के अनुपालन में आकाशवाणी वाराणसी में कार्यरत सहायक निदेशक (कार्यक्रम) एवं कार्यक्रम प्रमुख अशोक पांडेय का स्थानांतरण आकाशवाणी गोरखपुर में सहायक निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर किया गया है। इसके उपरान्त उन्होंने 17 जुलाई को आकाशवाणी वाराणसी में अपने दायित्वों का

विधिवत कार्यभार सहायक निदेशक (कार्यक्रम) प्रफुल्ल कुमार सिन्हा को सौंप दिया। स्थानांतरण के अवसर पर आयोजित एक संक्षिप्त विवाई समारोह में केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अशोक पांडेय के गोरखपुर में उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। इसी क्रम में सहायक निदेशक प्रफुल्ल कुमार सिन्हा ने वाराणसी में कार्यक्रम प्रमुख का कार्यभार ग्रहण किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री पहुंचीं काशी

● भाजपा पदाधिकारियों ने एयरपोर्ट पर किया स्वागत

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का आज शनिवार की दोपहर स्वागत किया। उन्होंने काशी आने पर काफी खुशी जाहिर की और पार्टी पदाधिकारियों के स्वागत पर आभार जताया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री रविंद्र जायसवाल,

क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा अशोक चौरसिया, महानगर अध्यक्ष प्रदीप आग्रहरि, भाजपा जिला अध्यक्ष राम सकल पटेल,

अपराजिता सोनकर, नम्रता चौरसिया, कुसुम पटेल, विनीता सिंह, उत्तम ओझा, विपिन पाठक, सुनीता सिंह व

प्रोटोकॉल प्रभारी व क्षेत्र उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा काशी प्रांत शैलेश पाण्डेय आदि शामिल रहे।

वांगचुक के समर्थन में निकाला कैंडल मार्च

साझा संस्कृति मंच की सभा में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और अनशनरत वैज्ञानिक सोनम बांगचुक और छात्रनेता नेहा रहे परीक्षा-पत्र लीक, शिक्षा के

सभा एवं कैंडल मार्च निकाला गया। अंबेडकर पार्क कचहरी पर साझा संस्कृति मंच ने देश में गहराते शिक्षा संकट, लगातार हो रहे परीक्षा-पत्र लीक, शिक्षा के

● बार-बार पेपर लीक को लेकर सरकारी रीति-नीति पर उठाये सवाल

बढ़ते निजीकरण तथा लोकतांत्रिक आवाजों के दमन के खिलाफ जनसभा आयोजित करके मुखर विरोध दर्ज कराया। सभा के बाद कैंडल मार्च निकालकर बीजेपी सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाई गई। फादर आनंद ने कहा कि प्रतियोगी

परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं, सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीतियां, महंगी होती शिक्षा और नई शिक्षा नीति की विफलताओं ने करोड़ों छात्रों और युवाओं के भविष्य को असुरक्षित बना दिया है। ऐसी स्थिति में शिक्षा मंत्री का पद पर बने रहना नैतिक रूप से उचित नहीं है। इस मौके पर धर्मेन्द्र जायसवाल, जागृति राही, नंद लाल मास्टर, अबु हाशमी, विनय राय मुन्ना, गगन, सिस्टर फ्लोरिन, गौरव, अनिल,फादर दयाकर, अबू आज़मी, डॉ अनूप श्रमिक, नीति, जीतेन्द्र, महेंद्र, आदि उपस्थित रहे।

कल से चलेगी छेरहटा-वाराणसी एक्सप्रेस

वाराणसी। प्रधानमंत्री के हाथों जालंधर में उद्घाटित छेरहटा-वाराणसी एक्सप्रेस का नोटिफिकेशन भी रेलवे बोर्ड ने जारी कर दिया। 19 जुलाई को नियमित रूप से यात्रियों की सेवा में समर्पित यह ट्रेन छेरहटा से वाराणसी के लिए 14624 नंबर से खाना होगी। यही ट्रेन वाराणसी से 20 जुलाई को 14623 नंबर से छेरहटा के लिए खाना होगी। धार्मिक पर्यटन के लिहाज से कई राज्यों को जोड़ने वाली उद्घाटित ट्रेन का वाराणसी में संत रविंदार आश्रम के अनुयायी वाराणसी जंक्शन पर भव्य स्वागत करेंगे। स्टेशन डायरेक्टर अर्पित गुप्ता ने बताया कि ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर आठ या नौ पर पहुंचेगी। छेरहटा, अमृतसर, जालंधर सिटी जंक्शन, लुधियाना, अंबाला कैंट जंक्शन, सहारनपुर जंक्शन, मुरादाबाद जंक्शन, बरेली जंक्शन, शाहजहाँपुर जंक्शन, लखनऊ, मुल्तानपुर जंक्शन, जौनपुर सिटी, वाराणसी जंक्शन पर इसका ठहराव होगा।

रोटरी क्लब सेंट्रल वाराणसी ने रथयात्रा मेले में शुरू की जल सेवा

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। भारतीय संस्कृति, सेवा और आस्था की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल द्वारा भगवान जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के शुभ अवसर पर प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षता रोटेरियन डॉ. रिंतु गर्ग ने कहा

कि रोटरी का मूल उद्देश्य 'Service Above Self' की भावना के साथ समाज की निस्वार्थ सेवा करना है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सेवा, समर्पण और लोककल्याण का संदेश देती है तथा इसी भावना से क्लब द्वारा प्रत्येक वर्ष श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सेवा कार्य किए जाते हैं। इस

पालतू कुत्ते के हमले में घायल युवक ने थाने में दी तहरीर

वाराणसी (चौबेपुर)। थाना क्षेत्र के अर्जांव गांव में पालतू कुत्ते के हमले में एक युवक घायल हो गया। पीड़ित ने कुत्ते के मालिक पर जानबूझकर कुत्ते से हमला कराने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अर्जांव गांव निवासी राजेश उपाध्याय ने बताया कि वह धान की रोपाई के लिए खेत जा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही सतीश प्रजापति अपने पालतू कुत्ते को टहला रहे थे। आरोप है कि रास्ते से गुजरते समय कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया और उनके पैर में कई जगह काट लिया, जिससे वह घायल हो गए।

यूबीआई ने दिया ऋण खातों के एकमुश्त निपटाने का मौका

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। यूनियन समाधान योजना के अंतर्गत ऋण खातों के निपटान हेतु यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने एक विशेष कैंप का आयोजन आज क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी में किया है। ग्राहकों को राहत प्रदान करने एवं पुराने एनपीए खातों के शीघ्र निपटान के उद्देश्य से बैंक द्वारा यूनियन समाधान योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत पात्र उधारकर्ताओं को रियायती शर्तों पर अपने ऋण खातों का एकमुश्त निपटान करने का सुनहरा अवसर प्रदान

किया जा रहा है। बैंक ने सभी पात्र ऋणधारकों से अपील की है कि वे इस विशेष अवसर का लाभ उठाते हुए संबंधित एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने शाखा से संपर्क करें तथा इस योजना का लाभ उठाएं।

जनमुख परामर्श मंडल

एस. कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया

संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण जैवंत सभापति, श्री काली अग्रवाल समज

श्रीनारायण खेमका अध्यक्ष : अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन

वी.के.जैन अध्यक्ष जैन मिलन, वाराणसी

डा. एस.के.पाठक वरिष्ठ चिकित्सक

डा. नीलम ओहरी श्री रोग विशेषज्ञ

प्रधान सम्पादक ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा'

समाचार सम्पादक सरोज सिन्हा

स्वात्घािकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश भिदिग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय वी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित।

रजि.33134/78. फोन : 0542-2500324 9336929544 Email : janmukh.vns@gmail.com

Evil Dead Full Movie Review | ज्यादा खून-खराबा, डर कम...



अगर सिनेमाई पदे पर ईसानों को बेरहमी से काटने-छांटने और तड़पाने के नए व अजीबोगरीब तरीके खोजने की कोई प्रतियोगिता होती, तो 'इविल डेड बर्न' उ स्ामों िनिश्चित रूप से गोल्ड मेडल जी तर्ता। फिल्म शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर शरीर के अंग हवा में उड़ने लगते हैं, हड्डियां चटकती हैं, मांस उधड़ता है और स्क्रीन पर इतना खून बहता है कि कोई पूरा बूड बैंक भी कम पड़ जाए। लेकिन दिक्कत यही है—एक घंटे तक लगातार ऐसा भयावह कतुआम देखने के बाद आप डरना या सिहरना बंद कर देते

हैं। दिमाग सुन्न हो जाता है और आप बस इस तबाही के खत्म होने का इंतज़ार करने लगते हैं।

'इविल डेड' फ्रैंचाइज़ी की

फिल्म शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर शरीर के अंग हवा में उड़ने लगते हैं, हड्डियां चटकती हैं, मांस उधड़ता है और स्क्रीन पर इतना खून बहता है कि कोई पूरा बूड बैंक भी कम पड़ जाए।

खून-खराबा, भदी जुबान बोलने वाली बुरी आत्माएं और सबसे बढ़कर, एक कमाल का डार्क ट्यूमर (अजीबोगरीब कॉमेडी)। पहले की फिल्मों में जब किसी को चैनसा (आरी) से दो हिस्सों में काटा भी जाता था, तो उस पागलपन में एक एंटरटेनमेंट और मज़ा होता था। मेकर और दर्शक दोनों जान-

ते थे कि यह एक मजेदार हॉरर राइड है। अफ़सोस, सेबेस्टियन वैनिएक के निर्देशन में बनी 'इविल डेड बर्न' वह मज़ाक और मिजाज ही भूल गई है।

कमजोर माइथोलॉजी और बिखरी कहानी

फिल्म की कहानी एलिस (सोहेला याक़ूब) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक दुखी विधवा है, जो न चाहते हुए भी अपने दिवंगत पति के परिवार से मिलने उनके एक सुनसान पुरतैनी घर पहुंचती है। हॉरर फिल्मों के घिसे-पिटे फॉर्मूले के तहत, यहाँ एक रहस्यमयी अटारी है, घर का एक डरावना अतीत है, किरदारों के अपने-अपने राज़ हैं और फिर उम्मीद के मुताबिक, सब लोग बेहद घिनौने तरीके से मरने लगते हैं।

इस फ्रैंचाइज़ी की सबसे बड़ी ताकत इसकी अपनी एक अनूठी 'माइथोलॉजी' (भूत-प्रेतों और बुराई का इतिहास) रही है, जिसे यहाँ

पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है, जो दर्शकों को झुंझलता है। फिल्म यह बताने में नाकाम रहती है कि आखिर इन राक्षसी ताकतों या 'डेडाइट्स' को वापस क्यों और कैसे बुलाया गया। मेकर्स मानकर चल रहे हैं कि दर्शक बिना वजह जाने बस इस अफरातफरी को स्वीकार कर लें।

कतुआम की अति, पर हॉरर गायब
तकनीकी तौर पर फिल्म में किसी भी चीज़ की कसर नहीं छोड़ी गई है। हर अगला सीन पिछले से ज़्यादा खूबखार बनाने की कोशिश की गई है। अगर एक डेडाइट किसी का चेहरा कुचल रहा है, तो दूसरा किसी के शरीर को ऐसे फाड़ रहा है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। घर के रोजमर्रा के सामान हत्या के हथियार बन जाते हैं। जो लोग शुद्ध रूप से 'सैशर' या 'गोर' (उदी) सिनेमा के दीवाने हैं, उनके लिए यह शायद किसी स्वर्ग जैसा हो,

लेकिन आम दर्शकों के लिए यह सिरदर्द और थका देने वाला अनुभव बन जाता है। समस्या फिल्म की हिंसा नहीं, बल्कि यह है कि हिंसा ही इस फिल्म की पूरी पहचान बन गई है। जब भी स्क्रीनप्रे दुख, अपराध-बोध या टूटे पारिवारिक रिश्तों जैसे इमोशनल पहलुओं को छूने की कोशिश करता है, उससे पहले ही कोई न कोई किरदार बुरी आत्मा के वश में हो जाता है और मार-काट शुरू हो जाती है।

परफॉर्मेंस और डेडाइट्स में फीकापन
मुख्य अभिनेत्री सोहेला याक़ूब ने इस खूनी खेल के बीच अपने किरदार में थोड़ी इंसानियत और भावनाएं लाने की पूरी कोशिश की है। लेकिन वह ज्यादातर समय अपने आस-पास हो रहे नरसंहार को देखकर सिर्फ सदमे में ही नजर आती है। जब स्क्रिप्ट किरदारों को विकसित करने के बजाय स्क्रीन पर आँखें फोड़ने जैसे दृश्यों में ज्यादा दिलचस्पी रखे, तो कोई भी कलाकार भला क्या ही कर सकता है। फिल्म के विलेन यानी 'डेडाइट्स' भी अधूरे लगते हैं। इस फ्रैंचाइज़ी के राक्षस हमेशा से डरावने होने के साथ-साथ थोड़े व्यंग्यात्मक, नाटकीय और मजे लेकर क्रूरता करने वाले रहे हैं। लेकिन 'इविल डेड बर्न' में वे सिर्फ चीखने-चिलुने वाली हत्यारी मशीनें बनकर रह गए हैं। उनमें वह यादगार विलेनिक व्यक्तित्व गायब है।

नतीजा यह होता है कि कुछ समय बाद हर हत्या एक जैसी लगने लगती है, शॉक वैल्यू खत्म हो जाती है और कोई इमोशनल जुड़ाव नहीं बन पाता।
विजुअल्स और प्रैक्टिकल इफेक्ट्स हैं लाज-वाब
ऐसा नहीं है कि फिल्म पूरी तरह खराब है। फिल्म तब

सबसे शानदार लगती है जब यह जबरदस्ती डराने की कोशिश छोड़कर थोड़ा थ्रिल पैदा करती है। कार वाला एक एक्शन सीक्वेंस कहानी में गजब का तनाव और रफ़्तार लाता है। निर्देशक वैनिएक ने कुछ बेहतरीन 'लॉन्ग टेक्स' (बिना कट के लंबे सीन) फिल्माए हैं, जो उनके विजुअल हुनर को दिखाते हैं। कैमरा खून से सने गलिया-रों में बेहद आत्मविश्वास के साथ घूमता है, जो इशारा करता है कि इस मार-काट के पीछे एक बेहतरीन हॉरर फिल्म छिपी थी, जिसे स्क्रिप्ट ने दबा दिया। इसके अलावा, आज के दौर में जहां हर जगह कंप्यूटर ग्राफिक्स का इस्तेमाल होता है, इस फिल्म में पुराने ज़माने के 'प्रै-क्टिकल इफेक्ट्स' और मेकअप का जो अद्भुत व घिनौना तालमेल दिखाया गया है।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762



मेडिकल डायरेक्टरी

बच्चों के डॉक्टर

मिनहाज चाइल्ड केयर
Dr. Minhaz Husain
MBBS, MD (Child Specialist)
पूर्व वरिष्ठ नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ (IMS-BHU)

गुप्त रोग विशेषज्ञ

गुप्त रोग, ताकत जवानी
सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक क्लिनिक
राना डिस्पेंसरी
Govt Regd. Estd, 1948
डॉ. राना
पता: टकसाल सिनेमा के सामने (निबर तारा हॉटेल) नंदेसर, वाराणसी
मो. : 6386935615, 7388779172

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ

काशी ई.एन.टी. सेंटर
कान, नाक और गला रोग विशेषज्ञ
डॉ. अमरेन्द्र सिंह
M.B.B.S., M.S. (ENT) Mumbai
Fellow - Skull Base Surgery (Italy)
सिद्धिगिरीबाग (सुनियन बैंक के सामने) सिंगार, वाराणसी
Mob.: 7052111138, 7052111139, 0542-2411138

लिवर रोग विशेषज्ञ

समर्पण गैस्ट्रो एवं लिवर क्लिनिक

इलाज एवं सुविधाएं: पेट में दर्द, उल्टी, गैस्ट्रिक अल्सर, खूनी उल्टी, कब्ज, मल में रक्त, रक्तस्रावी, आईबीएस, आईबीडी, हेपेटाइटिस, पॉलिप, लिवर सिरोसिस, लिवर एम्बेस, गैल स्टोन उपचार, अल्सर, आमाशय में छाला, अन्दरूनी रक्तस्राव और एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी।

परामर्श समय: 08:30 से 04:00 बजे तक

माहेश्वरी भवन के पास तुलसीपुर, महमूरगंज वाराणसी। मो. 9587794338

यूरोलॉजी विशेषज्ञ

ओंकार यूरोलॉजी सेंटर एण्ड हॉस्पिटल
Dr. Amit Kumar
MS.FICS M.ch (Urology)
CONSULTANT UROLOGIST
डॉ. अमित कुमार की सुविधा उपलब्ध
OPD Time 12 Pm to 2 Pm
Mob: 8957650464

मानसिक रोग विशेषज्ञ

तनाव, अवसाद, घबराहट, बेचैनी, OCD याददाश्त कमजोर होना, स्किज़ोफ्रेनिया, बाइपोलर, गुस्सा, नींद की परेशानी, सिर दर्द, नशा करना, बच्चों और बड़ों की व्यवहारिक समस्याएं, आत्महत्या का विचार आना, माइग्रेन, न्यूरेल्लिया, सर्वाइकल, हाथ-पांव में झनझनाहट व मिर्गी जैसे अन्य मानसिक रोगों का इलाज उपलब्ध।
रवि न्यूरो सायकेट्री सेंटर (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल)
लेन नं.-16 रविन्द्रपुरी, वाराणसी मो. 8756837310/ 7880893030

हड्डी रोग विशेषज्ञ

वात्सल्य हॉस्पिटल
जाइंट रिस्पेसमेंट, ट्रामा, आर्थ्रोस्कोपी (लिंगामेंट सर्जरी) एवं स्पाइन सर्जरी
सिकरौल, वाराणसी। MOB.-9415227170

कार्ड एवं स्टेशनरी

शादी के कार्ड
खत्री स्टेशनर्स
साई मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी
मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप

Shahnaz
GURUBAG, VARANASI PH 2390017

आल टाइप गारमेंट्स शॉप

NEW GENERATION
Yadav katra, Dashashwamedh, vns. Ph. 2451389

मेडिकल शॉप

DIABETIC CARE POINT
Retailer Of All Kinds Of Medicines
C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.
Varanasi- 945048570, 9936153614
Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ

Indias No.1 Astrologer
Lokhandwala Branch
9324652370
Bandra Branch
8108888280
HEAD OFF : SHOP No.-2, Shastri Nagar Complex, Siga, Varanasi-221010
Tel.: 0542-2220532, Mob.: 09305462682

प्रियंका चोपड़ा के जन्मदिन पर राजामौली का बड़ा धमाका!
‘वाराणसी’ से ‘मंदाकिनी’ का बेहद दमदार फर्स्ट लुक आउट



निर्देशक एस.एस. राजामौली ने खुद अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रियंका चोपड़ा के इस नए और प्रभावशाली लुक की तस्वीरें साझा कीं। राजामौली ने कुल दो तस्वीरें पोस्ट की हैं, जो प्रियंका के किरदार के दो अलग-अलग पहलुओं को दर्शाती हैं।

ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा के 44वें जन्मदिन के खास मौके पर उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' के मेकर्स ने फैंस को एक बेहद शानदार तोहफा दिया है। दिग्गज फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली ने इस मेगा-बजट एपिक फिल्म से प्रियंका चोपड़ा का 'मंदाकिनी' के रूप में पहला आधिकारिक लुक जारी कर दिया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। राजामौली ने खुद अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रियंका चोपड़ा के इस नए और प्रभावशाली लुक की तस्वीरें साझा कीं। राजामौली ने कुल दो तस्वीरें पोस्ट की हैं, जो प्रियंका के किरदार के दो अलग-अलग पहलुओं को दर्शाती हैं।

जबकि दूसरी तस्वीर में वह बेहद शालीनता से मुस्कुराती और खुशी से झूमती हुई दिख रही है। प्रियंका के इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए राजामौली ने कैप्शन में लिखा:

‘जब वह मुस्कुराती है, तो वह सौम्य होती है; जब नहीं, तो वह आग की तरह होती है। ‘वाराणसी’ में मंदाकिनी के तौर पर प्रियंका चोपड़ा।’

प्रियंका के फैंस के लिए जन्मदिन का तोहफा

प्रियंका चोपड़ा का यह नया लुक उनके जन्मदिन के मौके पर जारी किया गया। कैप्शन से मंदाकिनी के किरदार के लिए राजामौली के विज़न की झलक मिलती है, जिसमें शालीनता और ताकत का मेल दिखता है। फिल्म की कहानी की डिटेल्स बताने के बजाय, फिल्ममेकर ने उनके अलग-अलग पहलुओं को उजागर करने का फैसला किया, जिससे पता चलता है कि यह किरदार कमजोरी और अटूट ताकत के बीच संतुलन बनाता है।

प्रियंका का लुक दमदार और असरदार है, जो एक गहरे और ताकतवर किरदार की ओर इशारा करता है। मंदाकिनी को एक ज़बरदस्त और दुनिया भर में घूमने वाली शख्सियत के तौर पर दिखाया गया है, जो मज़बूत, संवेदनशील और यादगार है। खबरों के मुताबिक, फिल्म की कहानी में यह किरदार अहम भूमिका निभाता है।

‘वाराणसी’ की कहानी
‘वाराणसी’ एस.एस. राजामौली की अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक होने वाली है, जिसमें साइंस फिक्शन, टाइम ट्रैवल और भारतीय पौराणिक कथाओं का ग्लोबल लेवल पर मेल देखने को मिलेगा। फिल्म में महेश बाबू मुख्य भूमिका यानी रुद्र का किरदार निभा रहे हैं, जो भगवान शिव के परम भक्त हैं, साथ ही फिल्म के एक हिस्से में वह भगवान राम के रूप में भी नज़र आएंगे। कहानी एक शक्तिशाली कॉस्मिक चीज़ को हासिल करने के लिए सदियों और महाद्वीपों में फैले उनके खतरनाक सफ़र के इर्द-गिर्द घूमती है। हालाँकि, उनके मिशन में तब एक बड़ा मोड़ आता है जब उन्हें पृथ्वीराज सुकुमारन द्वारा निभाए गए कुंभ के असली इरादों का पता चलता है, जो उस चीज़ का इस्तेमाल करके दुनिया जीतना चाहता है। 7200 BCE से 2071 तक के समय को समेटने वाली इस एपिक फिल्म में रामायण से प्रेरित 30 मिनट का एक अहम हिस्सा है। यह दर्शकों को अंटार्कटिका के बर्फीले इलाकों और अफ्रीका के जंगलों से